

जनसंख्या वृद्धि

13

APRIL

SATURDAY

भारत में एक प्रमुख सामाजिक समस्या जनसंख्या में लगातार वृद्धि की है जनसंख्या में अप्रत्याशित वृद्धि से नौकरों के वेतन के संभावनी की तुलना में जनसंख्या

APPOINTMENTS

या व्यक्तियों की संख्या में तेजीवार वृद्धि हो रही है

8 पिछले देश की अवस्थिति में असंगुण एवं अन्य समस्याएँ

9 उद्योग हो पाये हैं भारत की जनसंख्या माप (2020) विश्व जनसंख्या की 17.7% है जबकि इसका औसत विश्व के औसत जनसंख्या का मात्र 2.4% है चीन के बाद भारत जनसंख्या की दृष्टि से विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है

10 भारत में जनसंख्या वृद्धि दर 1.19% (2016) है, जो 2008 के बाद 19.3 जन/1000 जनसंख्या तथा मृत्यु दर 7.3 निज/1000 जनसंख्या है जैसा अनुमान लगाया जा रहा है कि

11 भारत 2030 तक जनसंख्या की दृष्टि से चीन से भी आगे निकल जायेगा इस अप्रत्याशित वृद्धि ने इन पिताओं को चिन्तित किया है कि इसके व्यापक वैश्वीकरण, उद्योग संभावनी में और भी राजनीतिक अस्थिरता उद्योग को

12 जायेगा जो देश है जिसे वह कुछ से बचिन परिस्थिति उद्योग पर सक्ती है यदि इससे तेज सामाजिक सं-राजनीतिक रूप से सपना न हुआ जाये

जनसंख्या में वृद्धि के कारण (Causes of Population Growth)

जनसंख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के अनेक कारणों की पहचान की गयी है, निम्नलिखित प्रमुख हैं

7 → जनम दर तथा मृत्यु दर में अंतर - पिछले कई दशकों में भारत के जनम दर तथा मृत्यु दर में बड़ा अंतर है परन्तु जनम दर में मृत्यु दर की अपेक्षा कम गिरावट हुई है इसके कारण पर जब मृत्यु दर में बड़ा अंतर बड़ा है, तो जनसंख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है

जैसे - 2016 के जनगणना के अनुसार भारत में जनम दर 19.3/1000 एवं मृत्यु दर 7.3/1000 थी है जो पिछले कुछ वर्षों में, परिवारवत्तक जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है

NOTES

→ इस आयु में शादी — भारत में जनसंख्या वृद्धि का एक मुख्य कारण महिलाओं का पुनर्विवाह है। इस उम्र में शादी करना है। इस उम्र में शादी से जन की प्रक्रिया जल्दी आरंभ हो पाती है, और प्रजनन दर में वृद्धि हो पाती है। इस उम्र में शादी की प्रक्रिया भारत में आमतौर पर 18 वन तक हो-सके। यह निम्न परिवारों में शादी होती है-9
 1. निम्न-शिक्षित लोगों की पुनर्विवाह में शादी होना पाती है। इसके लिए का एक कारण लड़कियों के प्रति अन्याय का भावना को है। अतः में लड़के की पारिवारिक व्यवस्था कर रही है। निम्न संसाधनों का होना भी-11
 मिलने-लाना है।

12

→ परिवार नियंत्रण के प्रति व्यापक या पारंपरिक विचार-
 भावनाओं में विचार का विशिष्ट रूप है। भारतीय महिलाओं का पुनर्विवाह में परिवार नियंत्रण के प्रति व्यापक या उम्र-संवेदन नहीं होता है। प्रत्येक प्रकार-व्यापक या पारंपरिक-विचार हो-सकता है। जो लंबे परिवार नियंत्रण के आयुओं को भावना को बढ़ावा के लिए-3
 जो एक तरह का पाप समझते हैं। इस तरह की भावना से शादी जनसंख्या में उम्र वृद्धि हो पाती है। 4

→ धीरे-धीरे निरक्षरता — निरक्षरता का कारण भी जनसंख्या में प्रत्येक रूप से वृद्धि होती है। निरक्षर या का प्रो-लिथी लंबे परिवार नियंत्रण के कारण को नहीं समझ पाते-6
 है, क्योंकि इनमें नये विचारों को बढ़ावा देने का व्यापक विचार करने की समझ का अभाव होता है। इनमें आर्थिक, शैक्षणिक तथा व्यापक विचारों को प्रदानता होना है। परिणामस्वरूप, लंबे-महिलाओं में जन पर-वृद्धि होना है। निम्न-अतः जनसंख्या में भी वृद्धि हो पाती है।

→ शादी — जनसंख्या वृद्धि का एक कारण शादी को है। सामान्यतः यह देखा जा सकता है कि लंबे परिवार में वृद्धि-12

15

APRIL 15 MONDAY

POINTMENTS

की संख्या अधिक होने से पहले की मानसिक
 यह होना है कि जब बच्चे अधिक संख्या में
 होने में प्रयत्न करना शुरू न. कुछ आमतौर पर
 और परिवारिक माय में बढोती. हो करेगी इससे पूर्व
 परिवार को बड़ा-पल्लव होकर होना हो. हो पायेगा।
 मानसिकता के कारण ही जनसंख्या में चढ़ी-चढ़ी हुई
 हो पायी है।

→ **अप्याप्त प्रेरणा** — आमतौर पर परिवार में परिवार नियंत्रण
 के साधनों के प्रति उदासीनता तथा परिवार को समित
 रखने की अभिरूपा की कमी पायी जाती है इसके
 की कारण है. पिता साक्षरता का अभाव, अपर्याप्त ज्ञान,
 व्याप्तिक एवं लक्ष्मिकी विचार आदि प्रमुख हैं। अप्याप्त
 प्रेरणा के कारण वे परिवार नियंत्रण के साधनों का
 अर्थपूर्ण प्रयत्न नहीं उठा पाते हैं. पिता-जनसंख्या
 के नियंत्रण पर कोई खास अनुकूल प्रभाव नहीं
 पड़ता है।

→ **निमित्त कारण** — जनसंख्या में वृद्धि के अन्त कारण में
 हैं, पिता प्रमुख हैं —

- परिवार नियंत्रण के साधनों के प्रति गलत जानकारी या
 जातियाँ का होना।
- कुछ परिवारों में विशेषकर समूह परिवार प्रणाली में
 युवा वंशजों में बच्चे को पालने की जिम्मेदारी का
 अभाव।
- मोरल का साधनों में कमी।

इस प्रकार, माय में जनसंख्या वृद्धि के कई
 कारण स्पष्ट हैं।